हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

9 दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग व उन्हें...

10 25 लाख की लागत से होगा सड़कों का पेचवर्क...

Under the aegis of RPS Education Society, M/Garh
RPS COLLEGE OF VETERINARY SCIENCES Approved by VCI / Govt. of India & Affiliated to LUVAS, Hisar
Salient Features
Functional Multi-Speciality VCC
X-Ray, Ultrasound & Diagnostic Labs
Well established Animal Farm
Indoor & Outdoor games facilities
World Class Infrastructure
AC Class Rooms
8th Milestone Balana, Mahendergarh, Hr.
01285-241430, 8222888337, 9812008844
Contact Directly For Admissions With Documents
2 Year Diploma Course
VLDD COURSE
Eligibility:- Must have passed XII in Any Stream
(A Govt. Job Oriented Diploma)
90 SEATS 45 SEATS STATE QUOTA 45 SEATS MANAGEMENT QUOTA
GOVT. APPROVED FEES ONLY
5 ½ Year Degree Course
B.V.Sc. & A.H.
Must have passed XII in Medical Stream & a valid NEET-2025 Score
80 SEATS 40 SEATS STATE QUOTA 40 SEATS MANAGEMENT QUOTA

खबर संक्षेप

विराट हास्य कवि सम्मेलन आज

नारनौल। रोटरी क्लब सिटी व बेलाज की ओर से कवि सरदार मंजीत सिंह के पिता स्वर्गीय सरदार हरनाम सिंह ठेकेदार की स्मृति में विराट हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन सोमवार रात्रि मोहल्ला चांदुवाड़ा स्थित श्री रामलीला मैदान में किया जाएगा। हास्य कवि सम्मेलन के प्रोजेक्ट इंचार्ज गोपाल मित्तल ने बताया कि कवि सम्मेलन में सीबीएम हॉस्पिटल चेयरमैन डॉ. मनीष शर्मा मुख्यातिथि होंगे। अध्यक्षता रोटरी क्लब के पूर्व प्रधान प्रवीण संघी करेंगे। वहीं मनीष मित्तल, विनय मित्तल, मुकेश गुप्ता दिल्ली, मोनू बंसल व टिंकू जैन विशिष्ट अतिथि होंगे। सम्मेलन में सरदार मंजीत सिंह के अलावा कमलेश राजहंस, डॉ. भगवान मरकंद, मनोज गुर्जर, विनीत पांडे, एकता जैन भाग लेंगे।

धनौंदा में बाल्मीकि जयंती आज

नारनौल। बाल्मीकि समाज धनौंदा के तत्वावधान में आगामी छह व सात अक्टूबर को आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। समारोह समिति के सदस्य रामकरण बाल्मीकि व शेरसिंह बाल्मीकि ने बताया कि छह अक्टूबर को रात्रि जागरण व सात अक्टूबर को भंडारा आयोजित किया जाएगा। जागरण में रेवाड़ी कला मंच के कलाकारों की ओर से झांकियों से भगवान वाल्मीकि की महिमा का गुणगान किया जाएगा।

बिहाली में गायों के लिए सवामणी लगाई

मंडी अटेली। श्रीकृष्ण बाल गोपाल गोशाला बिहाली गायों के लिए रविंद्र पुत्र रणवीर सिंह सरपंच ने अपनी माता की बरसी पर गायों के लिए स्वामणी लगाई। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि गोमाता की बड़ी महिमा कही गई है। गोमाता की तृप्ति से समस्त देव व पितृजनों की प्रसन्नता प्राप्त होती है। गोसेवा एक पुनीत कार्य है। यह सेवा कभी निष्फल नहीं जाती है। इस मौके पर गोशाला प्रधान महावीर सिंह, योगेंद्र थानेदार, मास्टर दिनेश कुमार, मास्टर करतार सिंह, धर्मवीर पंच, वीरेंद्र सिंह, राजेश, सुरेश, राजपाल, नवीन आदि मौजूद रहे।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर मनाया उत्सव

कनीना। आरएसएस के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करने पर रविवार को उत्सव का आयोजन किया गया। पथ संचलन, शस्त्र पूजन व मिलन समारोह को लेकर आरएसएस के वरिष्ठ सदस्य कार्यवाह शिवकुमार अग्रवाल ने बताया कि बाबा मोलड़नाथ आश्रम के समीप दुर्गा माता मंदिर तालाब परिसर में सुबह साढ़े आठ बजे आयोजित इस समारोह में संघ के पदाधिकारी, सदस्य व सामाजिक लोगों ने हिस्सा लिया।

अजमीढ़ महाराज जयंती पर निकाली प्रभातफेरी

नारनौल। नगर की प्रसिद्ध धार्मिक संस्था श्री राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को अजमीढ़ महाराज की जयंती के पावन अवसर पर भक्ति और श्रद्धा से ओतप्रोत 142वीं प्रभात फेरी का भव्य आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मानक चौक से किया गया। जहां सर्वप्रथम महाराज की प्रतिमा पर मेढ़ स्वर्णकार समाज के प्रधान राजेंद्र सोनी व अन्य गणमान्य सदस्यों ने माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर प्रभात फेरी शुरूआत की। सभी आए भक्तजनों का चंदन तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

छोटे बच्चों की सुरक्षा पर शहर के अभिभावकों ने जताई चिंता

तीन दिन बाद भी बच्चे को जबरन टेबलेट खिलाने वाले नकाबपोशों तक नहीं पहुंच पाई पुलिस

पुलिस प्रशासन से शिक्षण संस्थाओं के आसपास गश्त बढ़ाने की लगाई गुहार

सीसीटीवी फुटेज में दो बाइक सवार नकाबपोश की वीडियो वायरल हुई

दुकानदारों की मदद से बच्चा करीब साढ़े नौ बजे वापस घर पहुंचा। जहां नाजुक स्थिति को भांपकर पीड़ित को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। करीब पांच घंटे उपचार के बाद चिकित्सकों ने बच्चे को स्वस्थ्य घोषित कर दिया और डिस्चार्ज करके घर भेज दिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

पटवार घर मार्ग पर एक स्कूली बच्चे को जबरन टेबलेट खिलाने वाले दो बाइक सवार नकाबपोशों को पकड़ने में पुलिस प्रशासन को सफलता नहीं मिली है। जिससे अभिभावकों में चिंता और भय का माहौल बना हुआ है। वहीं छोटे बच्चे स्कूल जाने से डरने लगे हैं। सीसीटीवी फुटेज में दो बाइक सवार नकाबपोश की वीडियो वायरल हुई है, जिसमें आरोपित वारदात को अंजाम देकर कोटपूतली रोड की तरफ जाते दिखाई दे रहे हैं।

आपको बता दें कि नांगल चौधरी निवासी सुभाषचंद के तीन पुत्री व एक बेटा है। शुक्रवार को बच्चा स्कूल बस नहीं पकड़ पाया। जिस कारण बड़ी बहन ने कोटपूतली रोड को क्रॉस कराया था। बच्चा पटवार घर के आगे पहुंचा ही था, इसी दौरान दो बाइक सवार नकाबपोश युवकों ने बच्चे को रोक लिया। स्कूल मार्ग से अटेच गली में ले जाकर बच्चे को जबरन टेबलेट खिला दी। जिसके प्रभाव से बच्चे को तुरंत उल्टी व जी मिचलाने की समस्या हो गई थी। दुकानदारों की मदद से बच्चा करीब साढ़े नौ बजे वापस घर पहुंचा। जहां नाजुक स्थिति को भांपकर पीड़ित को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। करीब पांच घंटे उपचार के बाद चिकित्सकों ने बच्चे को स्वस्थ्य घोषित कर दिया और डिस्चार्ज करके घर भेज दिया।

नांगल चौधरी। वारदात को अंजाम देकर कोटपूतली रोड की तरफ जाते बाइक सवार नकाबपोश।

सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन करके खोजबीन आरंभ

थाना इंचार्ज भगत सिंह ने बताया कि बच्चे को जबरन टेबलेट खिलाने वाले अज्ञात बाइक सवार नकाबपोशों के खिलाफ शिकायत मिली है। वारदात से जुड़ी हुई एक सीसीटीवी फुटेज भी मिली है। जिसमें दो बाइक सवार युवक मुंह पर कपड़ा लपेटे हुए हैं। मामले की गहनता पूर्वक छानबीन कर रहे हैं, जल्द ही वारदात को ट्रेस कर लिया जाएगा।

पूरा परिवार सदमे में

इसके बाद चिंतित अभिभावकों ने पुलिस थाना में अज्ञात नकाबपोश बाइक सवारों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन तीन दिन बीत जाने के बावजूद आरोपितों को पकड़ने में सफलता नहीं मिली है। पीड़ित बच्चे का पिता सुभाषचंद ने बताया कि उनकी किसी के साथ कोई रंजिश नहीं तथा मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करते है। बच्चे के साथ हुई वारदात से पूरा परिवार सदमे में है तथा घर से बाहर निकलना भी बंद कर दिया। पटवार घर मार्ग पर स्थित एक दुकान का सीसीटीवी खंगालने पर नकाबपोश बाइक सवार युवकों की पुष्टि हुई है, जो मुंह पर अंगोछा लपेटकर कोटपूतली रोड की तरफ गए हैं।

परिजनों ने अस्पताल में कराया भर्ती प्राथमिक उपचार के बाद बच्चा हुआ नॉर्मल

उल्टी तथा जी मिचलाने पर शहर में मचा हड़कंप

नकाबपोश ने बच्चे को जबरन खिलाई टेबलेट, तबीयत बिगड़ी

बच्चे की चिकित्सा जांच रिपोर्ट नॉर्मल

शिकायत मिलने पर करेंगे जांच

नांगल चौधरी। चार अक्टूबर को दैनिक हरिभूमि में प्रकाशित समाचार।

वारदात के बाद अभिभावक चौकन्ने पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग

बच्चे को टेबलेट खिलाने की वारदात के बाद अभिभावकों में भय का माहौल बना हुआ है। अभिभावकों का कहना है कि शहर में संचालित स्कूलों में बच्चे अकेले ही आते जाते हैं, लेकिन अब उन्हें अनहोनी की चिंता बढ़ गई, बचाव के लिए पुलिस प्रशासन को गश्त बढ़ानी चाहिए। इसके अलावा बच्चों को किसी की दी गई खाद्य सामग्री का परहेज करने व वाहन में लिफ्ट नहीं लेने की समझाइश कर रहे हैं। बिक्रम सिंह, कमल सिंह, विकास कुमार, संदीप कुमार ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं के आसपास घूमने वाले संदिग्ध वाहनों की चैकिंग करना अनिवार्य है।

सलीमपुर की सरपंच ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा 9 सूत्री मांगपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

गांव सलीमपुर की सरपंच आरती यादव ने अटेली से विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव को उनके चंडीगढ़ निवास स्थान पर नौ सूत्री मांग पत्र सौंपा। स्वास्थ्य मंत्री को दिए गए मांग पत्र में बताया कि गौरव पथ से लेकर हवा सिंह के ट्यूबवेल तक की फिरनी को बनवाया जाए। एससी एवं बीसी चौपाल की चारदीवारी के साथ गेट व टाईल लगवाई जाए। खेल ग्राउंड की चारदीवारी एवं रनिंग ट्रेक बनवाया जाए। खेल ग्राउंड में 100 फुट का झंडा लगवाया जाए। गांव में बणी की चारदीवारी एवं तार बाड़ करवाई जाए। लोक निर्माण विभाग के रोड़ पर दिलीप सिंह के ट्यूबवेल से अमीलाल मास्टर के खेत तक रास्ते को पक्का करवाया जाए। भूप सिंह के घर से दिलीप सिंह के ट्वेल्थ का रास्ता पक्का करवाया जाए। गांव में खेल ग्राउंड एवं पंचायत घर में हाई मास्क लाइट लगाई जाए। गांव में पार्क बनवाकर ओपन जिम खुलवाई जाए। गांव में ई लाइब्रेरी बनवा जाए, ताकि गांव के बच्चों को पढ़ने में असुविधा न हो। इस मौके पर सलीमपुर की सरपंच आरती यादव ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने उनकी इन मांगों पर उनको जल्द ही पूरा करने का आश्वासन दिया है। हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर वह बहुत ही खुश है। इस मौके पर उनके साथ समाजसेवी मास्टर जसवंत सिंह, भवानी शंकर, दयाशंकर, ब्रह्मदेव, देवीलाल रामनिवास, कृष्ण, आंगनबाड़ी वर्कर मनीषा देवी उपस्थित रहे।

- गौरव पथ से लेकर हवा सिंह के ट्यूबवेल तक की फिरनी को बनवाने की मांग

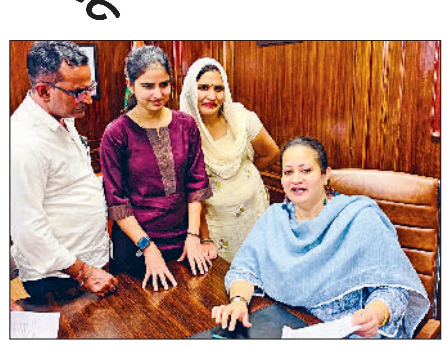

मंडी अटेली। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव को ज्ञापन सौंपती सरपंच आरती। फोटो : हरिभूमि

गाड़ी ने महिला को मारी टक्कर, घायल

कनीना। आरओ का पानी सप्लाई करने वाली गाड़ी ने एक मूक बधिर महिला को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसका रेवाड़ी के निजी अस्पताल में उपचार जारी है। इस बारे में वार्ड सात निवासी सुरेश कुमार ने सिटी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रविवार को सुबह करीब पौने सात बजे मनीष के मकान के पास आरओ का पानी सप्लाई करने वाली पिकअप गाड़ी को चालक तेज गति से बैक कर रहा था। जिससे वहां से गुजर रही उसकी मूक बधिक बहन बिमला को जोरदार टक्कर लगी और गिर गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे तत्परता से उप नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार कर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जहां परिजन उसे महेंद्रगढ़ के बाद रेवाड़ी लेकर गए हैं, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

बंदरों के आतंक से क्षुब्ध पार्षद ने दी नप पर ताला लगाने की धमकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शहर में आए दिन बंदरों के आतंक से क्षुब्ध नगर पार्षद नितिन चौधरी ने कार्रवाई न करने पर नगर परिषद के गेट पर ताला लगाने की धमकी दी है। पार्षद ने विज्ञप्ति में कहा कि शहर में बंदरों ने आतंक मचाया हुआ है, लेकिन नप प्रशासन बंदरों को पकड़ने के लिए कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर नप प्रशासन ने बंदरों को पकड़कर शहर से बाहर छोड़ने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की तो, 13 अक्टूबर को नगर परिषद के मुख्य गेट पर ताला लगा दिया जाएगा।

पार्षद नितिन चौधरी ने कहा कि बंदरों के काटने के कारण शहर में एक महिला की मौत भी हो चुकी है, लेकिन इसके बाद भी नप की ओर से बंदरों को पकड़ने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि अगर एक सप्ताह में इस व्यवस्था पर कोई भी कार्रवाई नहीं की गई तो 13 अक्टूबर को नगर परिषद के मुख्य गेट पर ताला लगा दिया जाएगा। किसी भी अधिकारी व निर्वाचित व्यक्तित्व को नगर परिषद में घुसने नहीं दिया जाएगा।

- नप प्रशासन बंदरों को पकड़ने के लिए कोई कार्रवाई नहीं कर रहा

नगर निकाय मंत्री का फंकेंगे पुतला

जब नप अधिकारियों को कोई काम करना ही नहीं है तो फिर नप के अंदर जाना ही क्यों। उन्होंने कहा कि अगर जल्द बंदरों को नहीं पकड़ा गया तो नगर निकाय मंत्री या सम्बंधित विभाग के निदेशक का पुतला फूंका जाएगा। उन्होंने कहा कि नप प्रशासन इसे सीधे रूप में उनकी तरफ से धमकी भी समझ सकते है। उन्होंने कहा कि हर बैठक में यह मुद्दा रखते ही है, व्यक्तिगत रूप से नप चेयरपर्सन से मिलकर भी इस बारे में कई बार मांग कर चुके हैं, लेकिन नप चेयरपर्सन का कहना है कि यह उनके स्तर का काम नहीं है, अपितु राज्य स्तर का हैं, इसलिए इसमें कुछ नहीं कर सकते है।

जिले में आज दिखेगा पश्चिमी विक्षोभ का असर, बारिश की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सम्पूर्ण देश में मौसम इस समय बड़े बदलाव की तैयारी में है। बंगाल की खाड़ी व अरब सागर पर बनी मौसम प्रणालियों के साथ उत्तरी पर्वतीय इलाकों में सक्रिय सशक्त पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से देश के उत्तर, मध्य, पश्चिम व पूर्वी हिस्सों में बारिश देखने को मिल रही है। सोमवार को पंजाब पर हल्की से मध्यम बारिश व कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि हुई। वहीं उत्तरी पर्वतीय राज्यों में बर्फबारी जारी है, जो अच्छे संकेत है। मौसम प्रणाली आठ अक्टूबर को आगे निकल जाएगी। इसके बाद सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में उत्तरी हवाओं से सम्पूर्ण इलाके में दिन व रात के तापमान में गिरावट के साथ मीठी गुलाबी ठंड का अहसास होना शुरू हो जाएगा।

पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि रविवार को एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय हो गया है। जिससे वर्तमान में एक चक्रवातीय सर्कुलेशन पश्चिमी पंजाब व आसपास के क्षेत्रों पर बना हुआ है, जो रात्रि तक दक्षिणी पंजाब व उत्तरी राजस्थान पर पहुंच जाएगा। सोमवार अलसुबह पंजाब व दोपहर बाद सिरसा, फतेहाबाद, पश्चिमी हिसार के आसपास तेज गति की हवाएं चलने तथा हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। रविवार को जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन व रात का तापमान क्रमशः 32.5, 23.2 डिग्री सेल्सियस तथा 33.8 व 24.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि जिले में इस पश्चिमी विक्षोभ का छह व सात अक्टूबर को सबसे ज्यादा प्रभाव देखने को मिलेगा।

सांसद, विधायकों व अन्य जनप्रतिनिधियों ने समझी पेपर रहित रजिस्ट्रेशन व अन्य ऑनलाइन सेवाओं की प्रक्रिया

राजस्व विभाग में आए डिजिटल बदलावों को जमीनी स्तर पर उतारने की कवायद तेज

आमजन को पारदर्शिता, सुगमता और तेजी से मिलेंगी सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य के राजस्व विभाग में आए अभूतपूर्व बदलावों को जमीनी स्तर पर उतारने की कवायद तेज हो गई है। पिछले सप्ताह शुरू की गई राजस्व विभाग की चार प्रमुख पहलों की श्रृंखला में रविवार को ऑनलाइन पेपर रहित रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सहित तमाम नई राजस्व सेवाओं पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार के दिशानिर्देश पर राजकीय कॉलेज नारनौल के सरस्वती हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद, विधायकों, पूर्व विधायकों, चेयरमैन, चेयरपर्सन, पार्षदों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों तथा राजस्व विभाग के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर मुख्यालय से आए टेक्निकल हेड संदीप कुमार ने प्रोजेक्टर के माध्यम से सभी नई सेवाओं विशेषकर ऑनलाइन पेपरलेस रजिस्ट्री को बिंदुवार समझाया। इसके अलावा उन्होंने निशानदेही व बंटवारा के लिए ऑनलाइन आवेदन तथा चैट बोट के बारे में भी जानकारी दी। इन सेवाओं को आम जनता तक पारदर्शिता, सुगमता और तेजी के साथ पहुंचाने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

नारनौल। राजस्व विभाग की कार्यशाला में मौजूद सांसद, विधायक व जनप्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

कार्यशाला में ये रहे मौजूद

इस मौके पर सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह, पूर्व मंत्री एवं विधायक नारनौल ओमप्रकाश यादव, महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव, पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव, अटेली के पूर्व विधायक सीताराम यादव, बीजेपी के जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव, जिला परिषद के चेयरमैन डॉ. राकेश कुमार, नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी, कनीना के एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह, सीईओ जिला परिषद उदय सिंह, जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार तथा डीआईओ प्रशांत कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

पेट जितना भी भरा रहे, आशा कभी नहीं भरती। वह जीवों को कोई-न-कोई अप्राप्य, कुछ नहीं तो केवल रंगों की माया का इंद्रधनुष प्राप्त करने के मायावी दलदल में फँसा ही देती है।

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

स्त्री अपने दर्द-दु:ख बाँट लेती है लेकिन पुरुष जैसे कुछ खास न हुआ हो, का दिखावा करते हुए भीतर ही भीतर घुलता रहता है। उधर कृष्णा के बार-बार कुरेदने पर भी शांत और उदास सी अंकिता ने कुछ भी संकेत नहीं दिया। पति के प्रति आकर्षण का समापन तो ब्याह के माह भर बाद से ही कृष्णा अनुभव कर रही थी, 'परन्तु दूसरे के घर में व्यवस्थित होने में समय तो लगता ही है' सोचकर वह दिनचर्या में व्यस्त रहती।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

कलंक

विवाह के केवल चार महीने बाद ही अंकिता फिर कभी ससुराल न जाने के इरादे के साथ पीहर लौट आई। कुशल-क्षेम जानने के बाद बेटी कितने दिन साथ रहेगी इस उत्सुकता से माँ ने पूछा- 'अमर कब आएगा तुझे लेने?'

माँ के इस प्रश्न पर उस वक्त तो अंकिता मौन साध गई, परन्तु अगले एक दो दिन में ही उसने स्पष्ट कर दिया कि अब वह कभी ससुराल नहीं जाने वाली। यह जानकर उसकी माँ के तो जैसे पैरों तले से जमीन ही खिसक गई। बड़ी मुश्किल से तो बेटी को एमबीए करवाकर हाथ पीले किए थे। छोटी श्वेता भी तो कॉलेज जाने लगी है। पीयूष दसवीं में हो गया है। मात्र डेढ़ एकड़ का किसान बलजीत और कृष्णा ने अपनी दिन-रात की मेहनत से बच्चों को पढ़ाने का बीड़ा उठाया हुआ है। पढ़ाई के खर्चे और भारी-भरकम फीस ने कभी कृष्णा को पसंद का कपड़ा तक तन से न लगाने दिया। जो पीहर से मिल जाता उसी में सब्र कर वह दो भैंसों का दूध बेचकर हर माह कुछ न कुछ बचत करती है ताकि बच्चों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से हो सके। अंकिता के एमबीए करते ही बलजीत ने उसके लिए लड़का देखना शुरू कर दिया। जल्दी ही गाँव से लगभग तीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित महम में रहने वाले श्रीनिवास के लड़के अमर से उसका रिश्ता तय कर चट मंगनी पट ब्याह की कहावत चरितार्थ करते हुए हाथ पीले कर दिए। बलजीत ने चद्दर से बाहर पैर पसारते हुए बेटी को दहेज में कपड़े, गहने, घर के दैनिक उपयोग का सामान आदि भी दिए ताकि बेटी को पराये घर में किसी चीज की दिक्कत न हो। कृष्णा और बलजीत दोनों को लगता था कि बेटी सुखी रहेगी। वे उसकी जिम्मेदारी से मुक्त हो गए हैं तो कुछ दिनों में अपनी मेहनत से इधर-उधर से लिया गया उधार भी वे जल्दी ही चुका देंगे। परन्तु इतनी शीघ्र बेटी का ससुराल से मोहभंग होना उनके सपनों पर गाज गिरने के समान था। कारण चाहे कुछ भी हो पर बेटी का वापस आकर बैठना! क्या कहेंगे लोग? कहीं बेटी किसी और के चंगुल में तो नहीं है? यह आशंका भी उनके मन में उठी परन्तु भोली-भाली अंकिता का निश्छल स्वभाव उन्हें ऐसा सोचने की अनुमति नहीं दे रहा।

कृष्णा को याद आया कि महीना भर पहले जब अंकिता आई थी तो उसकी एक ही मांग थी 'माँ मेरे लिए अलग बिस्तर बना दो ताकि मैं वहाँ रहकर अलग कमरे में पढ़ाई कर सकूँ।' यह सुनकर उसके हृदय को शूल सी चुभी थी कि बेटी ऐसा क्यों कह रही है। परन्तु उसने अंकिता को सलाह दी 'अभी अपने वैवाहिक जीवन को सुदृढ़ करो पढ़ाई लिखाई तो चलती ही रहेगी।' यह कहकर कृष्णा ने बिस्तर वाली बात अगली बार पर टाल दी थी। परन्तु उसे क्या पता था कि अलग सोने का बहाना करने वाली अंकिता महीने भर बाद कभी वापस न जाने का मन बनाकर लौट आएगी। बलजीत तो बेटियों से कम बात करता है। वह बार-बार कृष्णा को अंकिता का मन लेने को कहता। स्त्री अपने दर्द-दुःख बाँट लेती है लेकिन पुरुष जैसे कुछ खास न हुआ हो, का दिखावा करते हुए भीतर ही भीतर घुलता रहता है। उधर कृष्णा के बार-बार कुरेदने पर भी शांत और उदास सी अंकिता ने कुछ भी संकेत नहीं दिया। पति के प्रति आकर्षण व मिलन के उल्लास का समापन तो ब्याह के माह भर बाद से ही कृष्णा अनुभव कर रही थी, 'परन्तु दूसरे के घर में व्यवस्थित होने में समय तो लगता ही है' सोचकर वह अपनी दिनचर्या में व्यस्त रहती। उसे तसल्ली इस बात की थी कि अंकिता ने कभी सास-ससुर, देवर, ननद, पति किसी के भी व्यवहार की, किसी तरह की कमी या दुःख की कोई शिकायत नहीं की तो उन्हें लगता रहा कि सब ठीक ही होगा।

कहते हैं न कि दीवारों के भी कान होते हैं। शायद यह सच ही होगा तभी तो अंकिता के ससुराल न जाने की बात गाँव भर में फैल गयी। अब लोगों ने उसे और चटपटी करते हुए नमक-मिर्च लगाकर तलाक की बात तक पहुंचा दिया। बात जब बाहर निकली तो बतंगड़ बनने ही थे। कुछ लोग तो आजकल लड़कियाँ कितनी बिगड़ गयी हैं का उदाहरण अंकिता का नाम लेकर देने लगे। जो भी सुनता एक वाक्य अपनी तरफ से जोड़ ही देता 'आजकल की लड़कियाँ घर कोनी बसावैं' तो कोई कहता 'देख लिया घणी पढ़ावण का नतीजा' और कोई कहता 'छोड़ दी होगी लड़के वालों ने, ये अपनी का कसूर क्यों बतावेंगे' मतलब जितने मुँह उतनी बात। जबकि इस प्रकरण से पहले यही लोग थे जो अंकिता की शराफत का उदाहरण अपनी बेटियों को देते थे।

इन सब बातों को बिना सुने भी अनुभव करते बलजीत कृष्णा बेटी के उतरे मुँह को देख खुद भी उदासी में डूब जाते। माँ भाँति-भाँति के जतन करती उसके मन की बात जानने को, परन्तु सफल न हो पाती। माँ तो माँ होती है अपनी संतान के हित उसके प्रयास कभी थमते नहीं। एक दिन गली में 'सूट ले ल्यो, सूट ले ल्यो' की आवाज सुनकर कृष्णा ने अंकिता को सुनाते हुए पीयूष से कहा 'बेटे बुला तो फेरी वाले को दो-चार अंकिता और एक सूट उसकी सास के लिए ले लेती हूँ।'

'रुक जा पीयूष' बाहर निकलते भाई को अंकिता ने रोका तो उसके पाँव ठिठक गए। 'माँ आप लोगों को कितनी बार कह चुकी कि मुझे वहाँ नहीं जाना।' उसने माँ की ओर देखते हुए कहा।

'पर क्यों नहीं जाना? कोई कारण तो हो? फिर यहाँ क्या करेगी? बाप की छाती पे मूंग दलेगी? देख तेरे छोटे बहन-भाई पर क्या असर पड़ेगा तेरे इस फैसले से। हम लोगों को क्या जवाब देंगे? कभी सोचा है तूने?' कहती हुई माँ रोने को हो आई। अंकिता कुछ जवाब देती, उससे पहले ही मोबाइल की घण्टी बज उठी। उसने मोबाइल पर आया नाम देखकर फोन काट दिया। मैट्रिक तक पढ़ी कृष्णा ने उसकी यह हरकत देखकर मोबाइल उसके हाथ से छीन लिया।

'अमर का फोन' वह बुदबुदाई और अगले ही पल वापस फोन मिला दिया। 'हेलो' 'हाँ बेटे' 'नमस्ते मम्मी। अंकिता तो पता नहीं क्यों मेरा फोन नहीं उठा रही, मैं ये कह रहा था कि मैं कल उसे लेने आ रहा हूँ।' 'ठीक है बेटा, आ जाओ, और सब ठीक हैं घर में?' 'हाँ मम्मी सब ठीक हैं।'

अपनी माँ को मेरी राम-राम कह देना बेटे।' कहकर कृष्णा ने फोन काट दिया। 'अंकिता कल अमर आ रहा है तुझे लेने, जाने की तैयारी कर ले बेटी। वो फेरी वाला भी निकल गया। अब मुझे कपड़े लेने जगदीश बनिया की दुकान पर जाना पड़ेगा।' कृष्णा ने सपाट लहजे में कहा। 'मुझे नहीं जाना माँ।' अंकिता ने धीरे से परन्तु दृढ़ निश्चय के साथ कहा। 'पर क्यों नहीं जाना?' कृष्णा ने उसे कंधों से पकड़कर झकझोरते हुए पूछा।

इस बीच पीयूष किताबें उठाकर जीने की सीढ़ियां चढ़ने लगा। श्वेता कॉलेज और बलजीत खेतों में गए हुए थे। आज कृष्णा भी अंकिता से पूरी बात जानने की ठान चुकी थी। सो, उसने अंकिता को अपने पास बिठाकर उसे गले से लगाते हुए कहा-'कारण कुछ भी हो अंकिता बताना तो पड़ेगा तुझे, नहीं तो कल जाना पड़ेगा। मैं तेरी माँ हूँ, तू अपना दुख मुझसे नहीं कहेगी तो किस से कहेगी बेटी। यदि तू पूरी बात बताएगी तो हमें भी तुझे समझने में आसानी रहेगी।' कृष्णा कारण जानने को व्याकुल थी मगर अंकिता का मौन टूटने का नाम ही नहीं ले रहा था। हार कैसे मानती तो फिर एक बार माँ के उत्तरदायित्व ने हौसला दिया- 'देख अंकिता तेरे पिता कितने चिंतित रहते हैं तेरे लिए। आये दिन लोगों को हार्टअटैक की घटनाएं हो रही हैं तेरे पापा को कहीं कुछ हो गया तो...'और वे रुआँसी हो आयी।

'माँ, मैं क्या बताऊँ, कैसे बताऊँ कि सच क्या है। आपने तो घर-नौकरी देखकर मेरा ब्याह कर दिया। मुझे भी वहाँ कोई दिक्कत नहीं किसी से...'कहते हुए अंकिता के होंठ फिर से सिल गए।'

देख बेटा बताना तो पड़ेगा तुझे। हमारी हालत देख रही है न तू। तुम तीनों की पढ़ाई-लिखाई के साथ तेरे ब्याह में उठाये कर्ज के ब्याज का भी भुगतान हम अभी तक नहीं कर पाए हैं।' 'माँ, मैं नौकरी करूँगी। पापा का हाथ बटाऊंगी, सुबह शाम आपके साथ भैंसों का, घर का काम भी करूँगी पर वहाँ मत भेजो माँ, मुझे वहाँ मत भेजो।' कहते हुए अंकिता फफक पड़ी।' पर क्यों ना भेजूँ मेरी लाडो, बात तो बता।'

'माँ, उसे मेरी जरूरत नहीं है वह किसी और लड़के के साथ...'

'लड़के के साथ...' कृष्णा हतप्रभ रह गई। उसे समझ नहीं आ रहा था कि माजरा क्या है। 'माँ, यह मुझ से तो बात ही नहीं करता है। रात को कभी माँ के पास जाकर सो जाता है तो कभी दादी के पास। अभी कुछ दिनों पहले जब ये नहाने गया हुआ था तो इसका फोन बजा। मैंने उठाया तो उधर से कहा गया, तुम कौन हो? मैंने कहा मैं उनकी पत्नी हूँ। तो उसने कहा तू इसकी कुछ नहीं है। मुझसे वादा खिलाफी नहीं कर सकता अमर। हम दोनों साथ रहेंगे। उसकी पत्नी बनकर तो मैं रहूँगा। तुम दफा हो जाओ इसकी जिंदगी से। 'क्या बकवास कर रहे हो तुम' मैंने कहा तो वह गुर्राया-'बकवास नहीं कर रहा हूँ ज्यादा चूं-चपड़ की तो खत्म कर दूँगा तुझे, न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी। और सुन यकीन नहीं आता तो वीडियो भेजता हूँ अभी, देख लेना।' और माँ उसने तत्काल दो वीडियो भेजी। जिन्हें मैंने अपने नम्बर पर फारवर्ड कर अमर के फोन से तत्काल डिलीट कर दिया।

'वीडियो दिखा' कृष्णा ने उतावली होते हुए कहा। अंकिता ने मोबाइल की गैलरी में वह वीडियो टिक कर मोबाइल माँ को थमा दिया। दो पुरुषों की ऐसी गन्दी, घिनौनी वीडियो देखकर कृष्णा की हालत खराब हो गई। यह सब तो जिंदगी में न सुना, न कल्पना की। 'कोई बात नहीं बेटी। आने दे तेरे पापा को मैं बात करती हूँ।' कुछ पल सोचकर कृष्णा ने बलजीत को फोन मिलाया- 'कहाँ हो? ज्यादा जरूरी काम ना हो तै घरां आ जाओ।' 'आऊँ सूँ' कहकर बलजीत ने फोन काट दिया। कुछ देर बाद बलजीत आ गया तो कृष्णा ने एक तरफ बैठकर सारी बात बलजीत को बताई, जिसे सुनकर बलजीत भी हैरान, परेशान हो गया। कृष्णा ने अंकिता को चाय बनाने को कहा और बलजीत को समझाने लगी कि बात बहुत गम्भीर है, तुम विपिन से बात कर लो। वह जरूर कुछ समाधान सोचेगा।' हाँ विपिन को तो मैंने वैसे भी बता दिया था कि अंकिता ससुराल जाने से मना कर रही है। उसने कहा भी था कि कोई गम्भीर बात ही होगी। वरना हमारी अंकिता ऐसा क्यों कहती।'

कुछ पल सोचकर कृष्णा ने बलजीत को फोन मिलाया- 'कहाँ हो? ज्यादा जरूरी काम ना हो तै घरां आ जाओ।' 'आऊँ सूँ' कहकर बलजीत ने फोन काट दिया। कुछ देर बाद बलजीत आ गया तो कृष्णा ने एक तरफ बैठकर सारी बात उसको बताई, जिसे सुनकर बलजीत भी हैरान, परेशान हो गया। कृष्णा ने अंकिता को चाय बनाने को कहा और बलजीत को समझाने लगी कि बात बहुत गम्भीर है, तुम विपिन से बात कर लो।

शाम को बड़े भाई का बेटा विपिन घर आया तो बलजीत ने उसे बुला भेजा-'आ जा विपिन आज चाय यहीं बना देगी अंकिता'

'आता हूँ काका' कहते हुए दो मिनट में ही विपिन आ गया। बलजीत ने उसे शुरू से आखिर तक सारी बात बतायी, वीडियो भी दिखाई। उसे आश्चर्य तो बहुत हुआ पर उसने यही कहा कि यह बीमारी भी अब फैल रही है। आपने सुना ही होगा दो-तीन वर्ष पहले नजदीक के ही शहर में ऐसे ही एक चक्कर में विरोध करने पर एक युवक ने अपने परिवार को ही मौत के घाट उतार दिया था। यह सुनकर बलजीत के बदन में झुरझुरी सी आ गयी। 'अब क्या होगा विपिन?' 'होगा क्या काका पहले तो कल अमर आ रहा है उससे पूछ लेते हैं। उसके बाद आगे की सोचेंगे। अगले दिन अमर के पहुँचते ही बाट जोह रहे बलजीत व विपिन ने उसे बैठक में बिठाकर चाय-पानी के बाद जानना चाहा कि मामला क्या है? अमर तो इस चालाकी में था कि जैसे अंकिता को कुछ पता न उसके घरवालों को। 'ऐसा कुछ नहीं है' कहते हुए वह पहले तो साफ मुकर गया। परन्तु विपिन ने उसे बातों में घेरते हुए कहा कि सबूत है मेरे पास।' सबूत तो तब होंगे न जब कुछ होगा' अमर को अपने रुख पर कायम देख विपिन ने उसे वीडियो दिखाई तो अमर सन्न रह गया। उसे एकदम से पसीना आ गया। 'यह तू है न दूसरे लड़के के साथ?' विपिन ने पूरे आवेश में उस पर मुक्का तानते हुए कहा। 'हाँ' कहते हुए अमर ने गर्दन झुकाकर आँखें धरती में गड़ो दी। 'अब तू यहाँ से भाग कल हम आते हैं तेरे घर अपने बाप को बता देना।' अत्यंत क्रोध में बलजीत चिल्ला पड़ा। अमर तुरन्त सटक गया। अंकिता को कलेजे से लगाये उसकी माँ रो पड़ी- 'मेरी बेटी जैसी गयी थी वैसी ही आ गयी। मैं इसकी दूसरी शादी कर दूँगी। पर जो दुहेजू होने का कलंक इस पर लग गया, इसे कैसे हटाऊँ?

लघु कथा

वीना सिंह

कागज़ की नाव

पानी मटमैला था, लेकिन आँखें चमक रही थीं।

बरसात के बाद गाँव की उस पतली सी नाली में बहता पानी जैसे कोई समंदर हो, और उसका कप्तान—वो

नन्हा बच्चा। टूटी हुई चप्पलें, आधे गीले कपड़े, गले में एक काली डोरी और हाथ में‌ कागज़ की नाव।

वो नाव उसकी कल्पना थी—कभी जहाज बन जाती, कभी युद्धपोत। और उसके होंठों पर खिलती मुस्कान,

किसी विजेता की सी।

"डूबेगी नहीं?" पीछे से किसी ने पूछा।

उसने बिना मुड़े कहा, "नहीं! मेरी बनाई है। इसे सपनों से जोड़ा है, पानी से नहीं।"

दूर बैठा बूढ़ा दादा, जो कभी अपने बचपन में ऐसी ही नावें बहाया करता था, चुपचाप मुस्कुराया। उसे याद

आया, बरसात में बहता पानी कभी सिर्फ पानी नहीं होता—वो बचपन की सबसे पवित्र नदी होती है, जिसमें न

कोई डर होता है, न कोई कल की चिंता।

बारिश थम चुकी थी, लेकिन उसके सपनों की नाव बहती रही‌ उस नाली में नहीं, उस आजादी में, जो सिर्फ बचपन जानता है।

कविता

राज ख्यालिया

संगीत

संगीत जब मन को छू जाए,
आत्मा का द्वार खुल जाए।
धुनों में बहती सुध-बुध सारी,
जैसे हो साधना कोई प्यारी।

नाद उठे शिव का डमरू बोले,
वहीं सत्य समाधि के स्वर डोले।
कृष्ण की बंसी जब जहाँ भी गूंजे,
योग की भाषा खोजो तुम खुद में

कला बसी नृत्य की थिरकन में
चित्रकला बहती है रेखाओं में।
शब्दों की रचना में,भावों की बात,
मिले मन को शांति, स्वमं के साथ।

हस्तशिल्प की बुनावट गहरी,
मानवता की कथा कह रही।
रचनात्मकता के हर रंग में,
मन पाता है शांति उमंग में।

जब थकी लगे जीवन की चाल,
ले संगीत, चित्र या राग-माल।
मन के बोझ को हल्का कर लो,
हर चिंता को तितली कर दो।

कभी अकेले में गुनगुनाओ,
या बच्चों संग खिलखिलाओ।
कभी बिखराओ रंग सपनों के,
या थिरको सुरों के धुनों में।

कला ध्यान का सहज उपाय,
तन मन को देता सुकून प्रायः।
योग का यह नया विस्तार,
कला में प्राणों का संचार।

कविता

डॉ.कमलेश मलिक

मां दुर्गा

स्मरण तुम्हारा आते ही मां
पुलकित हो जाता है तन मन

भिन्न-भिन्न रूपों में आकर
भक्तों को खूब रिझाती हो
सब की मांगे अपनी-अपनी
तुम सब पर प्यार लुटाती हो

धूप -दीप - नैवेद्य यही है
कर लाई हूं कुछ शब्द चयन

ब्रह्मचारिणी कहला कर भी
तुम गौरी मां बनकर आयीं
तुम कालरात्रि भी बनी कभी
तुम सिद्धिदात्री भी कहलायीं

हे ! कल्याणी हे! कात्यायिनी
तुमको अर्पित हैं भाव सुमन

हे! आदि शक्ति तुम जगजननी
अमृत बरसाने वाली हो
इस रूखी सूखी धरती को
तुम ही सरसने वाली हो

मैं ढूंढ रही अंतर्घट में
हाथों में मेरे है दर्पण

साहित्यकार डॉ. शमीम शर्मा का कहना है कि युवा पीढ़ी पोर्नोग्राफी वीडियो को सर्च करने में अपना समय बर्बाद कर देती है, लेकिन साहित्य से जुड़ी सामग्री सर्च करने में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने चिंता जताई कि मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित गोदान को बच्चा अपने पाठ्यक्रम में होने के कारण उसके प्रश्न-उत्तरों को रट करके परीक्षा दे देता है। ऐसे में गोदान पढ़ने का जो मजा है, वह कैसे आएगा। प्रेमचंद तो गोदान में है, प्रेमचंद गोदान के प्रश्न-उत्तरों में नहीं है।

साक्षात्कार

शमशेर सैनी

साहित्य पाठन से दूर हो रही नई पीढ़ी : डा. शमीम शर्मा

वर्तमान समय में साहित्य बहुत लिखा जा रहा है। आज हर दिन कविता की नई किताब आ रही है लेकिन चिंता का विषय यह है कि उन्हें पढ़ कौन रहा है। पुस्तकें मूल्यांकन के लिए साहित्य अकादमियों के पास पहुंच जाती हैं और डिस्ट्रीब्यूट हो जाती हैं। आज पाठक वही है, जो लेखक है। नई पीढ़ी साहित्य से दूर होती जा रही है। उनकी साहित्य में कोई रुचि नहीं है। काव्य, कहानियां, उपन्यास इन सब से युवा कोसों दूर हो गए हैं।

यह कहना है हरियाणा साहित्य जगत में महिला साहित्यकार एवं शिक्षाविद् के रूप में अपनी एक अलग पहचान रखने वाली डॉ. शमीम शर्मा का। साहित्यकार डॉ. शर्मा हरिभूमि के साथ विशेष बातचीत कर रही थीं। उन्होंने साहित्य की शुरुआत से लेकर नई पीढ़ी में साहित्य के प्रति कम होती रूचि जैसे विषय पर लंबी चर्चा की। डॉ. शर्मा ने कहा कि साहित्य क्या लिखा जा रहा है, कितना लिखा जा रहा है, यह तो बाद का प्रश्न है, जो लिखा जा रहा है, वो इतना सजावटी हो गया है कि जैसे हमारी पांडुलिपियां हैं, उन्हें लाल वस्त्रों में लपेटकर रखा गया है। वर्षों से रखी हुई है। कोई उनको पढ़ता नहीं, खोलता नहीं। मुंशी प्रेमचंद, महाकवि जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला यह लाइब्रेरी की सज्जा हो गए हैं। जैसे घर में सजावट का सामान रखा हो। न उन्हें कोई गले लगाते हैं, न कोई उन्हें स्पर्श करता है। उसी तरह से किताब होती जा रही है। एक समय था जब लोग साहित्य पढ़ने को लालायित होते थे। पढ़ने का शौक इतना प्रगढ़ था कि लोग साहित्य, पात्रिकाएं किराए पर लेकर पढ़ते थे। उस समय पढ़ने का बड़ा महत्व था। आज के परिप्रेक्ष्य में हम देखते हैं कि जो पढ़ने का शौक होता था वह शौक धीरे-धीरे यह मोबाइल खा गया है। बिना साहित्य के पली पीढ़ी पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में घरों से किताबें गायब होती जा रही हैं। इसका नतीजा यह है कि युवा साहित्य से बेखबर हैं। बिना साहित्य के पली पीढ़ी समाज के लिए नुकसानदायक है। अच्छे साहित्य की पहचान न होना, अच्छे लेखकों को बेहतर मौके न मिल पाना और खराब साहित्य का प्रचलन में आना भी समाज के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि पुष्पक विमान है, जिसने रामचरितमानस पढ़ी नहीं, उसको क्या पता कि हमारे यहां हजारों साल पहले पुष्पक विमान की खोज हो चुकी थी। वर्तमान में विश्व के कई देश युद्ध के दौरान मिसाइल छोड़ रहे हैं। हमारे यहां तो महर्षि वाल्मीकि ने रामायण में 5000 साल पहले ही अग्नि बाण, वायु बाण आदि का जिक्र कर दिया था।

सोशल मीडिया पर फर्जी फॉरवर्ड

सोशल मीडिया पर डाली पोस्टों को फर्जी फॉरवर्ड बताते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि वाट्सएप और फेसबुक करते-करते हम मैसेज यहां से वहां और वहां से वहां भेज रहे हैं। कई बार मैं देख रही होती हूं कि सोशल मीडिया में पोस्ट की गई कहानी के नीचे महादेवी वर्मा लिखा होता है, जबकि महादेवी वर्मा ने कोई कहानी लिखी ही नहीं। लोग ऐसे ही फर्जी फॉरवर्ड कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वायरल पोस्टों में उनकी प्रमाणिकता का पता नहीं है, लेकिन भेड़ चाल की वजह से पोस्ट पर पोस्ट किए जा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

कुरुक्षेत्र हस्ताक्षर (लघुकथा संग्रह), अजन्मी बेटी की चिट्ठी (विचारोत्तेजक आलेख), पंचनाद (संतों की वाणी में क्रांति चेतना), चौपाल के मखौल, चौपाल के चाले. (हरियाणवी हास्य), एक बिटिया तो जरूरी है (लघुकथा संग्रह), रोशनी है हम (कविता संग्रह), मंगल सूत्र और मेडल (महिला सशक्तीकरण पर आधारित निबन्ध), कोरोना की चिंगारियां (विचारपरक निबन्ध) बेटे बेटियों में खूब फर्क है, दो नंबर वाली लक्ष्मी (विचारोतेजक आलेख), जादूभरा साथ (कविता संग्रह) प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. शमीम शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी ने डॉ. शमीम शर्मा को वर्ष 2017 के लिए श्रेष्ठ महिला रचनाकार सम्मान से नवाजा है। वर्ष 2009 में हरियाणा सरकार द्वारा प्रकाशित हरियाणा एन्साइक्लोपीडिया का संपादन किया। हरियाणा हिंदी साहित्य अकादमी से भी उन्हें 'विशिष्ट हिंदी सेवी' पुरस्कार मिला है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय मदर टेरेसा द्वारा स्वर्ण पदक मिला। 2001 की जनगणना में सराहनीय सहयोग के लिए राष्ट्रपति के रजत पदक का सम्मान मिला।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. शमीम शर्मा
जन्म : 17 मार्च 1959
जन्म स्थान : गांव जुम्बा, जिला मलोट (पंजाब)
शिक्षा : एमए (स्वर्ण पदक प्राप्त), एमफिल(स्वर्ण पदक प्राप्त), पीएचडी(हिन्दी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

पहले लाइब्रेरी में सीट नहीं, अब वहां विद्यार्थी नहीं

लाइब्रेरी से जुड़े अपने अनुभव को साझा करते हुए डॉ. शमीश शर्मा ने कहा कि जब हम लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए जाते थे तो हमें बैठने को सीट तक नहीं मिलती थी, लेकिन वर्तमान में लाइब्रेरी में सीट तो हैं, परंतु विद्यार्थी नहीं मिलते। डॉ. शर्मा ने बताया कि साहित्य से जुड़े होने के कारण मैंने अपने कॉलेज में भी लाइब्रेरी के लिए स्पेशल एक पीरियड बनाया हुआ है। उसमें हम बच्चों को धक्के से लाइब्रेरी में लेकर जाते हैं, ताकि बच्चे वहां जाकर पढ़ें। साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने पर जोर देते हुए साहित्यकार डॉ. शमीम शर्मा ने कहा कि समाज में हमें युवाओं को पढ़ाने की तरफ अग्रसर करना होगा। उनको प्रेरित व जागरूक करना होगा कि बिना साहित्य पढ़े, हमें न तो अपने अतीत का पता चलेगा और न ही हम अपने भविष्य की सोच पाएंगे।

समाज की परतों को उजागर करती 'ताश का घर'

पुस्तक : ताश का घर
लेखिका : सविता स्याल
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : कौशिक पब्लिशिंग हाउस

पुस्तक समीक्षा

डॉ. अंजना गर्ग

साहित्य सदा से समाज का दर्पण रहा है, और लघुकथा उस दर्पण की सबसे सजीव छवि। सविता स्याल समकालीन हिंदी साहित्य की एक सशक्त और संवेदनशील रचनाकार है, जिनकी लेखनी समाज के भीतर बहती भावनात्मक धाराओं को गहराई से छूती है। उनकी लेखनी एक ओर जहां समाज की विडंबनायों को उजागर करती है वहीं दूसरी ओर उम्मीद और आत्मबल का स्वर भी रचती है।

'ताश का घर' लेखिका सविता स्याल द्वारा रचित एक सशक्त लघुकथा- संग्रह है, जो समकालीन समाज की विविध परतों को बड़ी सादगी और गहराई से उजागर करता है। यह संग्रह न केवल मानवीय संबंधों की पड़ताल करता है बल्कि उन मौन द्वंदों और विसंगतियों को भी सामने लाता है जिन्हें अक्सर समाज के बहाव में अनदेखा कर दिया जाता है। सविता स्याल ने अपनी लघु कथाओं में समाज के विभिन्न पहलुओं को उकेरा है जैसे ' दोषी कौन', ' मी टू', ' मृगतृष्णा' , ' रक्षक/ भक्षक', ' वापसी' जैसी लघुकथाएं इसका उदाहरण है। बाल मनोविज्ञान पर लिखी लघुकथाएं जैसे ' जूम वाली दादी' एवं ' एक दोस्ती ऐसी भी' एक अलग ही प्रभाव छोड़ती हैं। मानवी संवेदनाओं से ओतप्रोत ' दूसरी मां' तथा ' डील' भी संग्रह की खूबसूरत रचनाएं हैं और मानव मन पर एक अलग ही प्रभाव छोड़ती है। 'श्राद्ध' एक अनूठे प्यार की लघुकथा है जिसमें पति पारंपरिक लीक से हटकर पत्नी का श्राद्ध करता है। शीर्षक कथा ' ताश का घर' की बात करें तो जिसके माध्यम से लेखिका ने बिना विवाह किए साथ रहने वाले युवाओं को उसके दुष्परिणामों के बारे में सचेत किया है। यह लघुकथा बहुत से नौजवानों को राह दिखाने का काम करेगी। हर लघुकथा एक सामाजिक प्रश्न खड़ा करती है। कई लघुकथाओं में लेखिका ने उनका समाधान भी बताया है परंतु कुछ लघुकथाएं पाठकों के लिए छोड़ दी हैं जिनका उत्तर पाठक को स्वयं तलाशना होगा। सविता स्याल की भाषा सरल, संवेदनशील और बिंबात्मक है। शैली संवाद प्रधान होने के साथ-साथ सूक्ष्म व्यंग्य और भावनात्मक गहराई का सुंदर संयोजन है। ' ताश का घर' उन साहित्य प्रेमियों के लिए एक अनिवार्य संग्रह है जो लघुकथा को केवल रचना नहीं सामाजिक संवाद मानते हैं। यह पुस्तक विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक शोधकर्ताओं और संवेदनशील पाठकों के लिए उपयोगी है। लेखका को ढेरों शुभकामनाएं एवं आशा करती हूं कि इस प्रथम लघुकथा संग्रह के बाद उनकी कलम लगातार लघुकथा सर्जन पर भी चलती रहेगी।

खबर संक्षेप

शिविर में 126 रोगियों की जांच

महेंद्रगढ़। यादव सभा एवं राहत ग्रुप के तत्वाधान में यादव धर्मशाला के सभागार में 184वां निःशुल्क नेत्र जांच एवं चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अध्यक्षता पूर्व प्रधान यादव सभा एवं वर्तमान अध्यक्ष राहत ग्रुप एवं जिला वेद प्रचार मंडल प्रधान डॉ. प्रेम राज यादव ने की। कार्यक्रम का शुभारम्भ यज्ञ से किया गया, जिसमें आर्य समाज प्रधान एवं यादव सभा उपाध्यक्ष पंडित भूपेंद्र सिंह आर्य ने यज्ञ पुरोहित की भूमिका निभाई। डॉ. विकास यादव नांगल नुनिया ने संपूर्ण कैंप का खर्चा वहन किया। उन्होंने 51 हजार रुपये दान दिया।

आज से मनेगी दो दिवसीय महर्षि वाल्मीकि जयंती

नारनौल। श्री महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर तालाब बहादुर सिंह चौक स्थित सभा भवन में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 6 अक्टूबर को दोपहर 12:15 बजे से भंडारा आयोजित किया जाएगा। रात्रि 9:15 बजे हरिकीर्तन होगा। यह जानकारी देते हुए सभा प्रधान जोगेंद्र सिंह जैदिया ने बताया कि 7 अक्टूबर को मुख्य कार्यक्रम होगा। दोपहर एक बजे शोभा यात्रा का प्राचीन वाल्मीकि मंदिर दशमेश नगर से प्रारंभ होगा। मुख्य समारोह शाम 7:15 बजे होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव होंगे, जबकि अध्यक्ष भाजपा जिलाध्यक्ष यतेंद्र राव होंगे। जैदिया ने समाज के सभी लोगों से इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है।

शिविर में 261 लोगों की आंखों की जांच की

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव गढ़ी में सिद्ध सेवा धाम मांढन ओर से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्य अतिथि जजपा के हल्का प्रधान बेदू सिंह राता रहे। शिविर में लगभग 261 लोगों की निःशुल्क नेत्र जांच की गई, जिसमें 160 लोगों को निःशुल्क चश्मा वितरित किए गए, जबकि 29 लोगों को ऑपरेशन के लिए चिह्नित किया गया, जिनका ऑपरेशन अब निःशुल्क गंगा देवी अस्पताल रेवाड़ी में किया जाएगा। मुख्य अतिथि बेदू राता ने बताया कि नेत्र हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग है। इसलिए हमें इनकी देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। समय-समय पर आंखों की जांच करवानी चाहिए।

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से यादव धर्मशाला में किया आयोजन

दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग व उन्हें आत्मनिर्भर बनाना ही सच्ची सेवा

दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क कृत्रिम अंग माप तौल शिविर आयोजित

- ट्रस्ट सेवा के सच्चे व सर्वोच्च रूप को अपना रहा : गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मानव सेवा को सर्वोपरि समझते हुए प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से रविवार को लालादेवी चंद ग्रोवर कृत्रिम अंग निर्माणशाला के सहयोग से दिव्यांगजनों के सहायतार्थ निःशुल्क कृत्रिम अंग माप तौल शिविर का आयोजन यादव धर्मशाला में किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा व कार्यक्रम संयोजक दिनेश कुमार प्राचार्य ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी पवन यादव थे। अध्यक्षता समाजसेवी बेगराज गोयल ने की। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी विजय गोस्वामी, पूर्व चेयरमैन एसपी शर्मा, पूर्व बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी पुष्करमल वर्मा, भाविप के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश अरोड़ा, हरियाणा स्कूल के चेयरमैन हितेंद्र शेखर, संगीता शर्मा, राष्ट्रपति अवार्डी शिक्षक राजेश कुमार थे।

इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य समाज के उन वर्गों तक सहायता पहुंचाना है, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना ही सच्ची मानव सेवा है। मुख्य अतिथि पवन यादव ने आयोजन को मानवता की सेवा का सच्चा उत्सव बताया। कहा कि इस प्रकार के शिविर समाज में संवेदना व सहयोग की भावना को बढ़ाते हैं। बेगराज गोयल ने कहा कि ट्रस्ट सेवा के सच्चे व सर्वोच्च रूप को अपना रहा है। मौके पर अमित शर्मा, दिनेश शर्मा, अजय कुमार ट्रस्टी, राकेश कुमार शिक्षाविद, भीमसेन शर्मा, टिंकू प्रधान, मुकेश दहिया, नवीन चंद्र जोशी, गोपाल छक्कड़, जीतू रहीस, भाविप के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश अरोड़ा, कंवर सिंह, टेकचंद आदि मौजूद थे।

नारनौल। कैम्प में दिव्यांग का माप लेते हुए व शिक्षकों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

दिव्यांगजनों से भरी रही ओपीडी

ट्रस्टी नरोत्तम सोनी व ओशीन शुक्ला ने हुए बताया कि शिविर में कुल 53 दिव्यांगजनों का पंजीकरण किया गया। जिनमें से 40 लाभार्थियों का चयन कृत्रिम स्व अंग, वैशाखी, वॉकर, कैलिपर्स, विशेष जूतों जैसे सहायक उपकरणों के लिए किया गया। सभी लाभार्थियों को आगामी 26 अक्टूबर को उपकरण प्रदान किए जाएंगे। हिसार से पहुंची विशेषज्ञों की टीम का नेतृत्व प्रदीप कुमार ने किया। जिसमें रामअवतार वर्मा, रामकिशन, विक्रम, रामफल बालन शामिल थे।

शिक्षकों को किया सम्मानित

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर विशेष विधाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। ट्रस्टी नरोत्तम सोनी व संयोजक राकेश शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम शिक्षकों के समाज निर्माण में योगदान के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने हेतु आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी पवन यादव थे। अध्यक्षता प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने की। वहीं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी पुष्करमल वर्मा, विजय गोस्वामी, एसपी शर्मा, बेगराज गोयल, विपिन शर्मा, अभय सिंह यादव ने विशेष रूप से मौजूद रहे। ट्रस्टी डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज व ओशीन शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम में योग प्रशिक्षण में उत्कृष्ट योगदान के लिए आचार्य बजरंग जांगिड़, संगीत में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदीप शर्मा व मोहन सागर, रंग मंच में बेहतरीन सेवाओं के लिए केसरी नन्दन व सुनील पागल, तीरंदाजी में उत्कृष्ट योगदान के लिए सुरेन्द्र शर्मा कोच, प्राथमिक चिकित्सा क्षेत्र में योगदान के लिए टेकचंद यादव, सैन्य शिक्षा व अध्यापन के लिए सूबेदार मेजर कंवर सिंह यादव, मार्शल आर्ट में उल्लेखनीय कार्य के लिए मनीष शर्मा को सम्मानित किया गया।

नांगल चौधरी। पीटीएएम में बच्चों की मासिक प्रोग्रेस रिपोर्ट का अवलोकन करते अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना से मिलेंगे सकारात्मक परिणाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन प्राचार्य राजेश कुमार की अध्यक्षता में हुआ। जिसमें संस्था के चेयरमैन दयाराम यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा भावना का समावेश करके पढ़ाई कराने का आह्वान किया। जिससे बच्चों को प्रदर्शन में निखार लाने की प्रेरणा मिलेगी और परीक्षा में अच्छे अंक मिल सकेंगे। इस दौरान उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि निरंतर सुधार ही पढ़ाई का मकसद होता है। शुरूआती परीक्षा में उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं मिलना चिंताजनक नहीं, लेकिन मासिक प्रोगेस रिपोर्ट में निरंतर सुधार होना जरूरी है। इसके लिए स्कूल में मंथली शिक्षक अभिभावक बैठक का प्रावधान किया गया है। जिसमें अभिभावकों को बच्चों की संगत और दैनिक दिनचर्या पर विशेष नजर रखने पर जोर दिया है। कहा कि आलसी प्रवृति के बच्चे विभिन्न बहाने बनाकर स्कूल की छुट्टी कर लेते हैं या अनुशासनहीन गतिविधियों में संलिप्त हो जाते हैं। समाधान के लिए महीने में दो बार स्कूल में आकर बच्चे की उपस्थिति जांचे और सोसायटी के संदर्भ में जानकारी जुटाते रहें। उन्होंने कहा कि स्कूल में एक पौधा मा के नाम एक पौधा स्वयं के नाम रोपण करने का अभियान चलाया। जिसके तहत विद्यार्थियों ने विभिन्न किस्म के 1137 पौधारोपण किया। साथ ही मेधावी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की परंपरा बनाई है, जिससे विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना का समावेश संभव हुआ है। इसके बाद संस्था के चेयरमैन दयाराम यादव ने विभिन्न कक्षाओं के 30 विद्यार्थियों को बेहतर अंक हासिल करने पर पुरस्कृत किया। मौके पर एमडी अमित यादव, संयोजक कुलदीप यादव, सुमित्रा, अमर सिंह, ममता देवी आदि मौजूद रहे।

सुरेश चंद चौधरी को किया सम्मानित

- अग्रवाल सभा कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज नारनौल।

अग्रवाल सभा कार्यकारिणी की बैठक प्रधान प्रेमचंद गुप्ता एडवोकेट की अध्यक्षता सभा भवन में हुई। जिसमें समाजसेवी सुरेश चंद चौधरी को मार्केट कमेटी का वाइस चेयरमैन बनने पर अग्रवाल सभा में स्वागत किया गया। सर्वप्रथम जयंती प्रवक्ता बद्रीप्रसाद गर्ग ने महाराजा अग्रसेन जयंती का आय व्यय का हिसाब प्रस्तुत किया। जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। जयंती संयोजक रामजीलाल मित्तल ने समाज के सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जयंती को सफल बनाने में पूरे समाज का योगदान रहा। हम उन सभी का हृदय से आभार प्रकट करते हैं। अग्रवाल सभा के प्रधान प्रेमचंद गुप्ता एडवोकेट ने सुरेश चंद्र चौधरी को समाज की तरफ से पगड़ी पहनाकर स्वागत किया व जयंती संयोजक रामजीलाल मित्तल, जयंती प्रवक्ता बद्रीप्रसाद गर्ग शोभा, यात्रा संयोजक अरुण गुप्ता व संजय गर्ग को स्मृति चिह्न भेंट कर जयंती के सफल आयोजन के लिए सम्मानित किया।

प्रवक्ता बद्रीप्रसाद गर्ग ने सुरेश चंद चौधरी को शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। महामंत्री रवि गर्ग, उप प्रधान सूरज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रवीण बंसल ने पटका पहनाकर स्वागत किया। खाद्यान्न व्यापार एसोसिएशन के प्रधान रामजीलाल मित्तल व रामगोपाल मित्तल ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। सुरेश चंद चौधरी ने अग्रवाल सभा की ओर से स्वागत किया जाने पर सभी कार्यकारिणी के सदस्य, पदाधिकारीगण, प्रधान व कॉलेजियम सदस्यों तथा अग्रवाल समाज का धन्यवाद किया। अग्रवाल सभा के प्रधान ने बताया कि सुरेश चंद्र चौधरी सरल स्वभाव के व्यक्ति हैं। इस मौके पर अग्रवाल सभा के प्रधान प्रेमचंद गुप्ता एडवोकेट, उप प्रधान सूरज अग्रवाल, अरुण गुप्ता नूनीवाला, महासचिव रवि भाटा, कोषाध्यक्ष प्रवीण बंसल, रामजीलाल मित्तल, रामगोपाल मित्तल, संजय गर्ग, बद्रीप्रसाद गर्ग, गीता गोयल, संजय गोयल, राजेश चौधरी, जयप्रकाश संघी, प्रमोद टीका, महेश गोयल आदि मौजूद थे।

नारनौल। सुरेश चन्द चौधरी को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विजय इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने पाली धाम का किया भ्रमण

- बाबा जयराम दास धाम में बच्चों ने बाबा की समाधि के दर्शन किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

विजय इंटरनेशनल स्कूल के किड्स विंग के बच्चों ने हाल ही में बाबा जयराम दास धाम पाली और गूगल वाटिका में शैक्षणिक भ्रमण किया। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य बच्चों को धार्मिक और शैक्षिक स्थलों का भ्रमण करवाकर उनके ज्ञान और आध्यात्मिकता में वृद्धि करना था। बाबा जयराम दास धाम में बच्चों ने बाबा की समाधि के दर्शन किए और उनकी शिक्षाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। बाबा जयराम दास एक महान संत थे, जिन्होंने अपना जीवन मानव सेवा और आध्यात्मिकता के लिए समर्पित कर दिया था। प्रधानाचार्य नत्थू सिंह ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों को किताबी ज्ञान के अलावा भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इससे उनकी सोच और व्यक्तित्व का विकास होता है। बच्चों ने भी इस भ्रमण का भरपूर आनंद लिया और अपने अनुभवों को साझा करने के लिए उत्सुक हैं। इस प्रकार के आयोजन से बच्चों में आपसी मेलजोल और सहयोग की भावना भी बढ़ती है, जो उनके भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सचिव महेंद्र सिंह ने बताया कि जल्द ही इसी प्रकार का शैक्षणिक भ्रमण बड़े बच्चों को भी करवाया जाएगा, जिससे उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ अन्य प्रकार की जानकारी भी मिलती रहे और बच्चे नई ऊर्जा के साथ अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

महेंद्रगढ़। भ्रमण करते विद्यालय के बच्चे। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। खेल प्रतियोगिता में उपस्थित खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

राज्य स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन

नारनौल। खेल और उत्साह का अद्भुत संगम बना झुंझुनू अकादमी का प्रांगण। जहां तीन से आठ अक्टूबर तक आयोजित होने वाले राजस्थान राज्य स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट (अंडर-11 एवं अंडर-13, बालक व बालिका वर्ग) का भव्य शुभारंभ हुआ। यह प्रतियोगिता सिंघानिया विवि द्वारा प्रायोजित की जा रही है। टूर्नामेंट में राजस्थान के 40 विद्यालयों से 587 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं, जो आठ श्रेणियों में 557 रोमांचक मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। कार्यक्रम के मुख्यातिथि एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय झुंझुनू रहे। उन्होंने कहा कि खेल को खेल की भावना से प्रेरित होकर जीवन में अनुशासन, समर्पण और फोकस बनाए रखें। विशिष्ट अतिथि, सिंघानिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि यह जीवन का उत्सव है। झुंझुनू अकादमी अध्यक्ष डॉ. दलीप मोदी ने राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार दूसरी बार झुंझुनू अकादमी को यह जिम्मेदारी मिलना हमारे लिए गर्व की बात है। राजस्थान राज्य बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव केके शर्मा ने अभिभावक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

मॉडर्न स्कूल में हुआ अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन

- अभिभावकों को सितंबर परीक्षा परिणाम के बारे में अवगत करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया। बैठक में प्रकृतिशील अभिभावकों ने विद्यालय में पहुंचकर अपने-अपने बच्चों की प्रगति रिपोर्ट प्राप्त की। प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने बताया कि इस सम्मेलन में 268 अभिभावक पहुंचे। पीटीएम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को सितंबर परीक्षा परिणाम के बारे में अवगत कराना। इस दौरान छात्रों और शिक्षकों के बीच बच्चों की पढ़ाई को लेकर विस्तृत चर्चा हुई और सितंबर परीक्षा परिणाम भी घोषित किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने छात्रों की प्रगति के बारे में चर्चा की और उनके अभिभावकों को सुझाव दिए कि वे अपने बच्चों की पढ़ाई में कैसे सहयोग कर सकते हैं। इस दौरान छात्रों और अभिभावकों की समस्याओं को सुना गया और उनका समाधान करने का प्रयास किया गया। शिक्षकों ने अपने अनुभव सांझा किए और छात्रों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

महेंद्रगढ़। बैठक में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

कनीना रेलवे स्टेशन पर धरना कल

नारनौल। सात अक्टूबर को कनीना स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर दिए जा रहे धरने को लेकर इलाके के लोगों में भारी उत्साह है। धरने का नेतृत्व प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरलाल एडवोकेट करेंगे। करीरा, सिहोर, कोटिया, गाहड़ा, कनीना, भड़फ, ककराला, उन्हाणी, चेलावास, इसराना, मोहनपुर व नांगल आदि अनेक गांवों में जनसंपर्क कर धरना का निमंत्रण देते हुए रेल यात्री संघ के सदस्य डॉ. मुकेशए कैलाश सेठ व राकेश यादव ने कहा कि इस रेल लाइन से होकर रोजाना आठ एक्सप्रेस ट्रेन गुजरती हैं, लेकिन उनमें से एक भी एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव कनीना स्टेशन पर नहीं है। सरकार व रेल प्रशासन इस रेलवे स्टेशन की उपेक्षा कर रहा है। सरकार के भेदभाव पूर्ण रवैये के खिलाफ व एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर सात अक्टूबर को कनीना खास रेलवे स्टेशन पर धरना दिया जाएगा।

नारनौल। बैठक में भाग लेते अध्यापक अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

सीएल स्कूल में पीटीएम आयोजित

नारनौल। सीएल पब्लिक स्कूल में रविवार को अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अभिभावकों में बच्चों के अर्धवार्षिक परीक्षा तथा स्कूल स्तर पर होने वाले ओलंपियाड परीक्षा के परिणाम जानने को लेकर उत्सुकता दिखाई दी। बैठक का मुख्य उद्देश्य माता पिता को बच्चे की सम्पूर्ण गतिविधियों की जानकारी देना था, ताकि शिक्षक व अभिभावक मिलकर बच्चे का चहुंमुखी विकास कर सकें। शिक्षकों ने अभिभावकों को अर्धवार्षिक परीक्षा व ओलंपियाड परीक्षा के दौरान उनके बच्चों के प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर सुझाव पेटी भी रखी गई, जिसमें बच्चों के साथ आए माता पिता ने अपने सुझाव दिए। इस अवसर प्राचार्य रविन्द्र यादव ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य माता पिता को बच्चों के प्रति जगरूक करना और उनके बच्चें की प्रत्येक क्रियाकलाप की जानकारी देना है, ताकि बच्चे व उनके माता पिता उनकी प्रगति में अध्यापकों का सहयोग कर सके।

बीआर स्कूल में अभिभावक शिक्षक बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेहलंग में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के परिणामों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करना तथा उनके भविष्य की शैक्षिक विकास की दिशा तय करना था। सभी अध्यापकों ने अभिभावकों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, व्यवहार तथा कक्षा में सहभागिता पर विस्तृत संवाद किया। प्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने कहा कि विद्यालय और अभिभावकों का संयुक्त प्रयास ही विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य की ओर ले जा सकता है। प्रत्येक बच्चे की विशेष क्षमताओं को पहचानकर उन्हें सही मार्गदर्शन देना हमारा साझा लक्ष्य होना चाहिए। चेयरमैन हरीश भारद्वाज ने कहा कि आपका सहयोग ही बच्चों की निरंतर प्रगति की नींव है। विद्यार्थियों की कमजोरियों पर मिलकर कार्य कर हम उन्हें उत्कृष्ट भविष्य दे सकते हैं। अभिभावक-शिक्षक बैठक के दौरान छात्रों के प्रदर्शन की समीक्षा के साथ-साथ आगामी टर्म के लिए व्यक्तिगत अध्ययन योजनाओं और सहयोगात्मक प्रयासों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम का समापन शिक्षकों और अभिभावकों के बीच सकारात्मक संवाद के साथ हुआ, जिससे छात्रों के शैक्षिक और व्यक्तित्व विकास की दिशा में एक ठोस आधार स्थापित हुआ।

महेंद्रगढ़। बैठक के दौरान अध्यापको से चर्चा करते अभिभावक।

एसपीजी आईएएस स्कूल में पीटीएम आयोजित

महेंद्रगढ़। बैठक में मौजूद अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। डुलाना-चितलांग रोड स्थित एसपीजी आईएएस स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कक्षा नर्सरी से कक्षा 10वीं के बच्चों के अभिभावकों ने भाग लिया। इस दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों को बच्चों के प्रदर्शन की जानकारी दी और बच्चों की परिणाम रिपोर्ट सांझा की। मीटिंग के दौरान शिक्षकों की मेहनत से अभिभावक काफी खुश हुए संतुष्ट नजर आए। प्रधानाचार्या सरिता राव ने इस शानदार परिणाम के लिए सभी अभिभावकों व अध्यापकों को बधाई दी। प्राचार्या सरिता राव ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों के पहले शिक्षक होते हैं। उनका सहयोग बच्चों की पढ़ाई और विकास को प्रभावित करता है। एक सफल अभिभावक के सहयोग के लिए आपको शिक्षकों के साथ निरंतर बातचीत करने की आवश्यकता होती है। चेयरमैन डॉ. विरेंद्र राव ने कहा कि पीटीएम खुले संवाद को प्रोत्साहित करते हैं और अभिभावकों और शिक्षकों के बीच विश्वास का पुल बनाते हैं।

हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन ने मनाया स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

स्थानीय लोक निर्माण विश्राम गृह प्रांगण में रविवार को हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन सम्बंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ का 58वां स्थापना दिवस समारोह जिला कमेटी की ओर से धूमधाम से मनाया गया, जिसमें जिले की सातों ब्रांचों ने भाग लिया। इस स्थापना दिवस पर ब्ल्ड डोनेशन कैंप भी लगाया गया, जिसमें 40 यूनिट रक्त रक्त योद्धाओं द्वारा डोनेट किया गया। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम कि अध्यक्षता पब्लिक हेल्थ डिवीजन नंबर एक कार्यकारी अभियंता अमित जैन ने की। अतिथियों में उपमंडल अभियंता मुकेश शर्मा, उपमंडल अभियंता जसवीर, उपमंडल अभियंता महेश कुमार, संगठन के राज्य प्रधान ईश्वर शर्मा, राज्य महासचिव संदल सिंह राणा, राज्य कोषाध्यक्ष भगवान अहलावत थे। मंच संचालन जिला प्रधान रमेश चन्द्र यादव शामिल रहे। इस जिला स्तरीय समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्य प्रधान ईश्वर शर्मा ने कहा कि इस तरह के आयोजन पूरे प्रदेश में हो रहे हैं, लेकिन जिला महेन्द्रगढ़ की जिला कमेटी व सातों ब्रांचों ने जो ब्लड डोनेशन कैंप लगाया है, यह अपने आपमें एक मिसाल कायम की है। जिला महेन्द्रगढ़ की जिला कमेटी व ब्रांचों ने यह तीसरा ब्ल्ड डोनेट कैंप लगाया है। यह बहुत ही सराहनीय कदम है। इस समारोह में जिला प्रधान रमेश चन्द्र यादव ने कहा कि जिला महेन्द्रगढ़ की सातों ब्रांचों के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की लग्न व मेहनत से आज इतना भव्य कार्यक्रम एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है।

नारनौल। स्थापना दिवस मनाते हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन के कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

बिजली की पुरानी व जर्जर तारों ने गुढ़ा के किसान के सपनों पर पानी फेरा

कनीना। आग पर काबू पाने का प्रयास करते फायरबिग्रेड कर्मचारी, बिजली कर्मचारियों की ओर से दो माह पूर्व खेत में लगाया गया खम्भा। फोटो: हरिभूमि

■ 10 लाख रुपये के नुकसान की आशंका, चार ग्रामीण करंट की चपेट में आने से बाल-बाल बच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना विकास खंड के गांव गुढ़ा में बिजली के पुराने व जर्जर तार टूटने से निकली चिंगारी ने किसान के सपनों पर पानी फेर दिया। इस बारे में किसान योगेश कुमार ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने अपने ट्यूबवेल पर अपनी तथा अन्य किसानों की करीब 50 एकड़ बाजरे की कड़बी एकत्रित की हुई थी, जो पशु चारे के काम आती है। पीड़ित किसान ने बताया कि तीन अक्टूबर करीब दोपहर 12 बजे बिजली के तार टूटकर गिरने से निकली चिंगारी के कारण कड़बी में आग लग गई। आगजनी पर काबू पाने के लिए ग्रामीण आगे बढ़े तो बिजली की तार टूटी होने तथा उसमें विद्युत का धारा प्रवाह होने के कारण चार ग्रामीण करंट की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। ग्रामीणों ने नजदीक आने की बजाए दूर से आग पर नियंत्रण पाने के प्रयास किए, लेकिन असफल रहे। इसके बाद उन्होंने डायल 112 व दमकल केंद्र में आगजनी की सूचना दी। कनीना व महेंद्रगढ़ से आई दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियों तथा पुलिस व ग्रामीणों की मदद से करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आगजनी पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था।आगजनी में किसान को करीब 10 लाख रुपये के नुकसान का आंकलन किया गया है।

पुराने जर्जर तार बदली करने की लगा चुके थे गुहार

किसान योगेश कुमार ने बताया कि उनके खेत से गुजर रही बिजली की एलटी लाइन की पुरानी व जर्जर तारों को बदली करने की दो माह पूर्व तक कई बार दरखास्त देकर बिजली निगम के अधिकारियों से गुहार लगा चुके थे। जिन्होंने उनके खेत में खंभा गाड़ कर छोड दिया। जिस पर न तो तारों को कसा गया और न ही जर्जर तार बदली की गई। उन्होंने बिजली निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

निगम कर्मचारियों पर लगाया मारपीट का आरोप

बिजली निगम कर्मचारी आगजनी की घटना के अगले दिन शनिवार को जब टूटे तार ठीक करने गए, तो इंदु व योगेश कुमार से उनकी कहासुनी हो गई। जिसको लेकर इंदु ने पुलिस को शिकायत भी दी है। शिकायत में इंदु ने बताया कि उसके पति का निधन हो चुका है। शनिवार को जब वह अपने खेत में गई, तो वहां बिजली निगम कर्मियों की गाड़ी भी पहुंच गई। जिसमें छह से सात कर्मचारी सवार थे। एक कर्मचारी रमेश कुमार ने उनसे बिजली तारों के नीचे कड़बी एकत्रित न करने का हवाला दिया और अन्य कर्मचारियों ने भी एतराज जताया। इस दौरान उनकी आपसी कहासुनी हो गई। जिसमें धक्का लगने से वह गिर गई। योगेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर बीचबचाव करना चाहा तो उसके साथ भी मारपीट की। । पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

चांदुवाड़ा में वीर बर्बरीक नाटक का भव्य मंचन

नारनौल। श्री धार्मिक रामलीला ट्रस्ट चांदुवाड़ा के मंच पर शनिवार रात्रि प्राचीन नाट्य कला मंडल की ओर से वीर बर्बरीक नाटक का भव्य मंचन किया गया। यह नाटक स्कन्द पुराण पर आधारित बाबा श्याम के त्याग की धार्मिक कथा पर आधारित रहा। जिसमें वीरता, भक्ति और धर्म की गहराई को मंच के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

पुलिस व पत्रकार एक दूसरे के पूरकः डीएसपी

मंडी अटेली। पुलिस थाना परिसर अटेली में पुलिस एवं पत्रकारों की वार्ता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों व पत्रकारों ने आपसी सामंजस्य बढ़ाने तथा अपराधों पर रोक लगाने पर महत्वपूर्ण सुझाव सांझा किए। पुलिस उप अधीक्षक भारत भूषण ने कहा कि पुलिस और पत्रकार एक दूसरे के पूरक होते हैं। सामाजिक संतुलन तथा कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

स्वदेशी अपना आत्मनिर्भर भारत को दें मजबूतीः यतेंद्र

नारनौल। भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने आमजन से अपील की है कि दीपावली पर्व पर चाइनीज लाइटों के बजाय स्वदेशी मिट्टी के

दीयों व मोमबत्तियों का प्रयोग करें। जिससे स्थानीय कारीगरों और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम होगा।

दुराई एक्सप्रेस ट्रेन का अटेली में ठहराव आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। दुराई से टनकपुर जाने वाली एक्सप्रेस गाड़ी का ठहराव अब अटेली रेलवे स्टेशन पर भी किया जाएगा। यह ठहराव आज सायं आठ बजकर 55 मिनट होगा। इस मौके पर भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह अटेली स्टेशन पर पहुंचकर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उनके साथ पूर्व विधायक सीताराम यादव एवं रेलवे के सीएमई आरके शर्मा भी मौजूद रहेंगे।

मोहल्ला कुम्हरार व नागरिक अस्पताल के आसपास की सड़कों की होगी मरम्मत

25 लाख की लागत से होगा सड़कों का पेचवर्क, नपा ने जारी किया टेंडर

एसडीएम कार्यकाल के दौरान बनी सड़कों की भी होगी मरम्मत, इन सड़कों पर चल रही है विजिलेंस की जांच

महेश कुमार ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। टाइल बिछाते श्रमिक। फोटो: हरिभूमि

नगर पालिका प्रशासन ने बरसात के बाद खस्ताहाल हो चुकी सड़कों को सुधारने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब नगर पालिका ने लगभग 25 लाख रुपये की लागत से शहर की सड़कों का पेचवर्क करवाने के लिए टेंडर जारी किया है। ठेकेदार की ओर से रविवार से पेचवर्क का कार्य कर दिया है। जल्द शहर के शहर की सभी सड़कों की मरम्मत की जाएंगी। इस दौरान एसडीएम कार्यकाल के दौरान बनी सड़कों की भी मरम्मत की जाएंगी।

बता दें कि वर्ष 2022 में एसडीएम कार्यालय में बनी अधिकाशं सड़कों की हालात खस्ता हो चुकी है।

सड़क में गहरे गड्डे बन चुके है। लेकिन इन सड़कों पर चल रहीं विजिलेस जांच के चलते सड़क का पेचवर्क नहीं किया जा रहा था। सड़क में बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रहीं थी। वहीं बारिश के बाद इन सड़कों की हालात ओर भी खस्ता हो गई थी। टूटी सड़क के कारण हादसा होने की आशंका बनी रहती थी। शहर के लोग लगातार सड़क की मरम्मत कराने की मांग रहे थे। गत दिनों नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी की ओर से मुख्यालय को पत्र लिखकर जिन सडकों पर विजिलेंस की जांच चल रही है उनकी मरम्मत की अनुमति मांगी गई थी। गत माह अनुमति मिलने के बाद नपा की ओर से शहर की सभी सड़कों की मरम्मत करने का टेंडर जारी किया है।

पुरानी टाइल बिछाने का कार्य शुरू

नगर पालिका के नई कार्यकारिणी गठन होने के कुछ समय पश्चात ही शहर के सिनेमा रोड की सड़क का निर्माण किया गया था। सिनेमा रोड के व्यापारियों ने ठेकेदार पर घटिया सामग्री का प्रयोग करने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन भी किया था। इसके बाद व्यापारियों ने नगर पालिका के सचिव से भी मुलाकात थी। नगर पालिका के सचिव का कहना था कि मामला उनके संज्ञान नहीं है। इस मार्ग की सड़क का दोबारा से निर्माण कराया जाएगा। ठेकेदार के दोबारा से महज खानापूर्ति करते हुए दोबारा से सड़क का निर्माण भी कर दिया गया। स्थानीय व्यापारी लगातार ठेकेदार के कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते रहे। लेकिन नगर पालिका के अधिकारियों एक बार मौके पर पहुंच का सड़क के निर्माण कार्य की जांच नही की। कुछ ही दिनों में सड़क से रोडिया निकलनी शुरू हो गई थी। वहीं रेलवे रोड की हालात भी लंबे समय से खस्ता है। ठेकेदार की ओर से सिनेमा रोड व नागरिक अस्पताल की सड़क पर जिस स्थान पर गहरे गड्डे बने है, वहां पुरानी टाईल लगाने का कार्य शुरू कर दिया है। इसके बाद शहर की अन्य सड़कों की मरम्मत की जाएंगी। इसके साथ ही शहर के विभिन्न मोहल्लों में खुली नालियों पर लोहे के जाल (ग्रिल्स) बिछाए जाएंगे। नालियों के खुले रहने से अक्सर गंदगी और मच्छर पनपने की समस्या सामने आती थी।

नालियों पर भी बिछाए जाएंगे जाल

शहर की सभी सड़कों 25 लाख रुपये की लागत से पेचवर्क किया जाएगा। इसके अलावा शहर के विभिन्न मोहल्लों में खुली नालियों पर लोहे के जाल (ग्रिल्स) बिछाए जाएंगे। सिनेमा रोड व नागरिक अस्पताल के समीप पेचवर्क का कार्य शुरू हो चुका है। अन्य स्थानों पर भी जल्द भी कार्य शुरू किया जाएगा।

-रमेश सैनी, नगर पालिका अध्यक्ष, महेंद्रगढ़

नई कार्यकारिणी के लिए चुनाव समिति गठित

कार्यकाल पूरा होने पर भगवान परशुराम वेल्फेयर सोसायटी कार्यकारिणी भंग

सतनाली मंडी। सोसायटी की बैठक को संबोधित करते प्रधान शिवकुमार शास्त्री।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

श्री हनुमान मंदिर सतनाली परिसर में रविवार को भगवान श्री परशुराम वेल्फेयर सोसायटी की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। सूबेदार केदारमल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से कार्यकाल पूर्ण होने पर कार्यकारिणी को भंग कर नए सिरे से गठन करने पर सहमति जताई। सोसायटी प्रधान शिवकुमार शास्त्री ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में सोसायटी का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा।

कोषाध्यक्ष रतनलाल मिश्रा ने तीन वर्ष के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया और सोसायटी की ओर से किए गए कार्यों का विवरण दिया। इससे पूर्व सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन बनाए जाने पर प्रधान शिवकुमार शास्त्री का पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। निवर्तमान प्रधान शिवकुमार शास्त्री ने बताया कि भगवान परशुराम वेलफेयर सोसायटी की वर्तमान कार्यकारिणी का निर्धारित कार्यकाल पूर्ण हो गया है। जिसके चलते कार्यकारिणी को औपचारिक रूप से भंग कर दिया गया है।

आरंभ होगी चुनाव प्रक्रिया

अब नई कार्यकारिणी के गठन हेतु चुनाव प्रक्रिया आरंभ की जाएगी। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए एक स्वतंत्र चुनाव समिति का गठन भी किया गया है। नई कार्यकारिणी के चुनाव के लिए चुनाव समिति जल्द ही अधिसूचना जारी करेगी। जिसमें नामांकन की प्रक्रिया, पात्रता और मतदान की विधि स्पष्ट की जाएगी।

रेलवे संबंधित मांग को लेकर विधायक ने रेल मंत्री को भेजा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| !महेंद्रगढ

भाजपा विधायक कंवर सिंह यादव ने रेल संबंधित मांगों को रेलमंत्री अश्वनी कुमार वैष्णव को एक पत्र भेजा। भाजपा विधायक कंवर सिंह यादव ने बताया कि दैनिक रेल यात्रियों के लिए सुबह के समय में महेंद्रगढ़ से सात बजे रेवाड़ी के लिए और वापसी में शाम के समय रेवाड़ी से 5-6 बजे के बीच में महेंद्रगढ़ के लिए नई ईएमयू ट्रेन चलाई जाए। हनुमानगढ़ से चंडीगढ़ के लिए वाया लोहारू सतनाली-महेंद्रगढ़-कनीना-रेवाड़ी-रोहतक-जींद-कैथल-कुरुक्षेत्र-अम्बाला मार्ग से नई रेलसेवा का संचालन करवाया जाए। इससे उनके विधानसभा क्षेत्र को राजधानी चंडीगढ़ से जुड़ाव मिलेगा।

अभी हाल ही में हनुमानगढ़ में नई वाशिंग लाईन का निर्माण किया गया है, इसलिए इस गाड़ी का संचालन संभव है। लोहारू, महेन्द्रगढ़ से चंडीगढ़ की कनेक्टिविटी के लिए 22481/82 जोधपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट का चंडीगढ़ तक विस्तार किया जाए। गाड़ी संख्या 12323/12324-हावडा-बाड़मेर 12259/12260-सियालदह-नई दिल्ली (दुरंतो एक्सप्रेस) का ठहराव महेन्द्रगढ़ में किया जाएं तथा सतनाली में 19701/19702 सैनिक एक्सप्रैस व 22471-72 बीकानेर दिल्ली का ठहराव किया जाए। अलवर से दादरी वाया बहरोड़-नारनौल-महेंद्रगढ़ नई रेल लाइन का निर्माण किया जाए। जवाहर नगर से ढ़ाणी कुम्हाराना के पोल नंबर 161/2 से 161/3 के बीच आरयूबी पुल बनाया जाए। जेरपुर पाली रेलवे स्टेशन (जिला महेंद्रगढ़) पर फुट ओवर ब्रिज बनाया जाए। गांव बुचावास से रसूलपुर के रास्ते पर पिल्लर नंबर–125 के पास अंडर पास का निर्माण करवाया जाए।

कबीर आश्रम में हुआ कन्या पूजन कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में कन्याओं को भोजन करवाते हुए। फोटो: हरिभूमि

सेवा भारती शाखा के तत्वावधान में कबीर आश्रमए इंदिरा कॉलोनी में कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 63 कन्याओं की पारंपरिक विधिविधान से पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम की शुरुआत कन्याओं के चरण धोकर व पूजा कर जय माता दी के उद्घोष के साथ की गई। इसके बाद सभी बालिकाओं को स्वादिष्ट हलवा, पूरी, सब्जी व प्रसाद खिलाया गया। इसके उपरांत सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने सभी कन्याओं को स्टेशनरी पेन, पेंसिल, कॉपी व अन्य अध्ययन सामग्री भेंट स्वरूप प्रदान की।

63 कन्याओं की पारंपरिक विधिविधान से पूजा-अर्चना की

सेवा भारती शाखा अध्यक्ष अशोक सिंघल ने कहा कि कन्या पूजन भारतीय संस्कृति की जीवंत परंपरा का प्रतीक है। यह केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि समाज में नारी के प्रति सम्मान, स्नेह और सुरक्षा के संकल्प को दोहराने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज के युग में जब समाज में नारी सशक्तिकरण की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस की जा रही है। ऐसे आयोजनों से बच्चों व युवाओं में सकारात्मक सोच विकसित होती है। उन्होंने कहा कि सेवा भारती संगठन सदैव समाज के हर वर्ग तक सेवा, संस्कार और शिक्षा का संदेश पहुंचाने का कार्य करता रहा है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर अश्वनी कटारिया, सुमनकांत चुग, नीरज अग्रवाल, हनी कुमार, संजय वर्मा, राजेश गोयल, डॉ. शिवकुमार, डॉ. दीपक सहरावत, सुभाष वर्मा, बजरंग गुप्ता, जयप्रकाश सर्राफ, देवेंद्र वर्मा, सुशील तायल, नरेश कुमार, विजय रहीश, इशिता सिंगल आदि मौजूद थे।

राजस्थान के प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने की लोगों से मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। लोगों से मुलाकात करते राजस्थान के प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली। फोटो: हरिभूमि

राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं पूर्व मंत्री टीकाराम जूली ने शहर में अशोक बोहरा के निवास पर पहुंचे तथा उनसे मुलाकात की। पूर्व मंत्री जूली के आगमन की खबर पाकर अनेक गणमान्य लोग अशोक बोहरा आवास पर उनके स्वागत को पहुंचे। इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सूरज बोहरा, संजय पटीकरा, व्यापार मंडल के वरिष्ठ महामंत्री सुरेंद्र चौधरी सहित काफी गणमान्यजन मौजूद रहे। जूली झुंझूनं में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मीटिंग लेने उपरांत नारनौल आए थे। राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता, पूर्व मंत्री एवं अलवर ग्रामीण से वर्तमान विधायक टीकाराम जूली गुरुनानकपुरा पहुंचे। जूली नजदीकी काठूवास के निवासी हैं और उनके राजनीति में आने से पूर्व कुंड में पत्थरों की फैक्ट्री थी और अशोक बोहरा की भी कुंड में स्लेटी पत्थरों की फैक्ट्री थी। वहीं से ही इनके पारिवारिक गहरे संबंध बने। जूली पहले अलवर जिला परिषद के अध्यक्ष बने और उसके बाद वे तीन बार विधायक बने।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जूली ने स्थानीय लोगों संजीव वर्मा, डॉ. पवन यादव, हरीश किंगर, टीनू शर्मा, पवन कौशिक, राजेंद्र शोकर, विपिन बोहरा, धीरज शर्मा, हरिशंकर बोहरा, सुरेश बोहरा, नितिन बोहरा, बब्बू बोहरा एवं बद्री प्रसाद हैदराबाद वाले से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना।

आरएसएस स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर किया शस्त्र पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। पथ संचलन में भाग लेते आरएसएस के कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर अटेली मण्डल के आरएसएस कार्यकर्ताओं ने महिला महाविद्यालय में विजयादशमी उत्सव, शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन का आयोजन किया। इस उत्सव का संदेश हिंदू समाज को एकजुट करना, लोगों का चरित्र निर्माण करना के साथ–साथ आरएसएस के मूल्यों, संगठन के दृष्टिकोण में परिवर्तन और बदलते समय के साथ तालमेल बनाए रखने पर विशेष रहा।

दीप प्रज्वलन व शस्त्र पूजन के साथ उत्सव की शुरूआत हुईं। आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त सन्तोष चौहान रहे और जिला संघचालक कप्तान हंसराज व जिला सहकार्यवाह गूगन का भी सानिध्य मिला। वहीं मुख्य वक्ता सीताराम व्यास रहे। उन्होंने संघ के इतिहास से लेकर शताब्दी वर्ष तक की यात्रा का विस्तृत वर्णन कर सभी स्वयं सेवकों एवं उपस्थित जनों को जागृत किया। उन्होंने मातृशक्ति के योगदान पर जोर डाला एवं संघ के विभिन्न आयामों का विस्तार से वर्णन किया।

ये रहे मौजूद

इस आयोजन में मुख्य योगदान महेंद्रगढ़ के जिला बोद्धिक प्रमुख मान अनिल, जिला सह विद्यार्थी कार्य प्रमुख, अक्षत, खण्ड कार्यवाह हरिकिशन, खण्ड सहकार्यवाह रामबीर, जिला मंत्री मुकेश गर्ग, प्रखण्ड अध्यक्ष गौरव शर्मा, हिमांशु गोयल, दीपक यादव व राहुल यादव इत्यादि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से हुड्डा पार्क में हुआ कार्यक्रम

सामाजिक समरसताव पर्यावरण सहित पंच परिवर्तन संघ का ध्येय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आयोजन हमें एकजुट रहने और परंपराओं, संस्कृति तथा मूल्यों के संरक्षण की देता है प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नगर में पथ संचलन करते विभिन्न आयु वर्गों के स्वयंसेवक।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से शहर के हुड्डा पार्क में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। संघ की परंपरा के अनुरूप यह कार्यक्रम अनुशासन, संगठन और राष्ट्रभक्ति का परिचय देता है। इस दौरान स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में पहुंचे। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के तौर पर उत्तर क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य सीताराम व्यास और अध्यक्ष के तौर पर राव जयराम शिक्षण संस्था के संचालक सुरेंद्र कुमार सम्मिलित हुए। मुख्यातिथि व सीताराम व्यास ने कहा कि आज के दौर में जब समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह आयोजन हमें एकजुट रहने और अपनी परंपराओं, संस्कृति तथा मूल्यों के संरक्षण की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष में प्रवेश करने पर कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य और स्व का बोध समेत पंच परिवर्तन का लक्ष्य लेकर संघ कार्य कर रहा है। सुरेंद्र कुमार ने कहा कि आरएसएस एक राष्ट्रवादी संगठन है, जोकि पिछले 100 वर्षों से समाज को संगठित करने के पुनीत कार्य में लगा हुआ है।

उन्होंने संघ की विचारधारा, राष्ट्र निर्माण में स्वयंसेवकों की भूमिका तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। पथ संचलन के लिए स्वयंसेवक अनुशासित पंक्तियों के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरे। नगरवासियों ने इस पथ संचलन को देखकर न केवल संगठन की शक्ति का अनुभव किया, बल्कि समाज में एकता और सद्भाव का सशक्त संदेश भी प्राप्त किया।

हुड्डा पार्क से किया पथ संचलन का शुभारंभ

पथ संचलन का शुभारंभ हुड्डा पार्क से किया गया। यह राव तुलाराम चौक, ब्रह्मदेव चौक, सब्जी मंडी, आजाद चौक से होकर गुजरते हुए नगर पालिका, आंबेडकर चौक और आईटीआई रोड से होते हुए हुड्डा पार्क पर संपन्न हुआ। मार्ग में शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र स्वयंसेवकों की दृढ़ चाल, अनुशासित कदम और राष्ट्रगीतों की धुन थी। संचलन में विभिन्न आयु वर्ग के स्वयंसेवकों ने एक साथ कंधे से कंधा मिलाकर भाग लिया और राष्ट्रहित के प्रति अपने संकल्प को प्रकट किया। नगरवासियों ने पथ संचलन के मार्गों पर उपस्थित होकर स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा कर उत्साहवर्धन किया। इस दौरान कैप्टन हंसराज, विधायक कंवर सिंह यादव, रामजीवन, मनोहर लाल, बिशनदयाल, वेदप्रकाश, भारत, सुरेश सोनी, महावीर भांडोरिया, महेश जोशी, पवन खैरवाल, सुधीर दीवान, प्रमोद शास्त्री, डॉ. देवेंद्र, अजीत आदि उपस्थित रहें।